University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

University in News on 24 December 2020

TOI PAGE 2

5,210 to vie for 180 teaching posts at LU

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Science department will witness the toughest competition, followed by humanities and law, in recruitment of teachers at Lucknow University which is expected to start soon.

Total 5,210 applications have been received for 180 vacant teaching posts across various departments. Most of the departments have 5-10 vacancies as posts have not been filled for long.

TOI analyzed all the vacancies and found that of the top 10 posts in terms of highest number of applications received, six are of science and two each of humanities and law.

The highest 224 applicants are for one of the posts of assistant professor (unreserved category) in chemistry department followed by 181 for one assistant professor (UC) post in botany. Two posts – associate (UC) and assistant (UC) professors – in cemistry department with 146 applications each are at number three position followed by a post of assistant professor (UC) in zoology with 135 applications.

BIG RUSH FOR ENTRY-LEVEL POSTS

- 5,210 applications for 180 vacancies in 31 departments
- 4,150 applicants for 80 posts of assistant professor
- 800 applicants for 62 posts of associate professor
- 260 applicants for 32 posts of professor

Overall, 1,290 applications have been received for 22 vacant posts in chemistry, 492 applications for 11 posts in botany and 275 applications for 7 posts in zoology.

Fewer applications in humanities

Total number of applications in some subjects of humanities is low as compared to science. While average applications for one post in science subjects are over 100, in some subjects of humanities and languages it is less than 60. For example, there are only 23 applications for three posts in psychology.

"From LU, science departments has the highest number of research publications and citations in national and international journals with high global rankings like Stanford University. They also get grants from the Promotion of University Research and Scientific Excellence (PURSE) and Department of Science and Technology," he added.

In Hindi department, there are five vacant posts for which 386 applications have been received. Of these, two posts of assistant professors in OBC category have received 135 and 114 applications, respectively, while a post of an assistant professor in SC category has attracted 90 applicants.

Similarly, in political science, 79 applications have been received for one post of assistant professor (Scheduled Caste).

"The number of applicants in science department is high as LU's science faculty has good reputation at national and international level with alumni in almost all the scientific institutions of the country, including Mars Mission," said LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai.

AMAR UJALA MY CITY PAGE 6

नए साल में बढ़ाई जाएंगी सामान्य कक्षाएं

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विवि धीरे-धीरे सामान्य कक्षाओं की ओर रुख कर रहा है। लविवि में सामान्य कक्षाएं सप्ताह में फिलहाल दो दिन ही चल रही हैं। सात दिसंबर से सामान्य क्लास शुरू होने के बाद लविवि ने दो सप्ताह में इसकी समीक्षा की बात कही थी। लविवि में 25 से 31 दिसंबर के बीच शीतकालीन अवकाश घोषित किया जा रहा है। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव का कहना है कि शीतकालीन अवकाश के बाद सभी विभागाध्यक्षों की बैठक बुलाकर सामान्य क्लास पर फैसला किया जाएगा।

कोरोना संक्रमण की वजह से ऑनलाइन क्लास के भरोसे ही पढ़ाई चल रही थी, लेकिन शासन

समीक्षा के बाद लविवि प्रशासन लेगा फैसला

के निर्देश के बाद लविवि में सात दिसंबर से सामान्य कक्षाओं का संचालन शुरू किया गया है। हालांकि, विज्ञान संकाय में प्रथम वर्ष में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों को अभी इसका इंतजार करना पड़ रहा है। बीएससी प्रथम वर्ष में प्रैक्टिकल न होने की वजह से द्वितीय और तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को ही परिसर में सामान्य क्लास के लिए बुलाया जा रहा है। दो सप्ताह की सामान्य क्लास के बाद लविवि को इसकी समीक्षा करने के बाद इनकी संख्या बढ़ानी है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय पहले ही कह चुके हैं कि ऑनलाइन क्लास किसी भी सूरत में सामान्य क्लास का विकल्प नहीं हो सकती हैं। जितनी जल्दी होगा सामान्य क्लास शुरू करनी होगी।

Former LU student commissioned into IAF as flying officer

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: An alumna of Lucknow University, Harshita Singh (24), brought laurels to her alma mater and the city by being commissioned as a flying officer in the Indian Air Force (IAF).

A resident of Jankipuram, Harshita did her BCom from LU in 2017 and MCom last year. In the last year of her post-graduation, she cleared SSB examination and after completing her training she was commissioned as a flying officer.

"Harshita was a bright student. Not only did she perform well in academics but also in extra and co-curricular activities. She was also the university's NCC cadet and a good basketball player," said Harshita's teacher Prof Ram Milan.

Her father, Devesh Kumar Singh, works at a private firm and her mother is a homemaker.

Harshita Singh completed her BCom from LU in 2017

LU spokesman Durgesh Srivastava said, "Our students are making us proud in almost every field. Harshita is a motivation for girl students and has set an example of maintaining a perfect balance in academics and extra and co-curricular activities. We congratulate her on her success and hope that she achieves more milestones and make the university proud."

HINDUSTAN PAGE 6

घूमे फिरे, मस्ती की पर कभी क्लास बंक नहीं की

लखनऊ विश्वविद्यालय 100 | कुछ यादें कुछ किस्से 35

प्रो. एएम सक्सेना

जालौन के एक छोटे से गांव से आया था। पिता किसान थे। पांच भाई हैं। सबकी उम्मीदें बंधी थी। 1980 में लखनऊ विश्वविद्यालय आया। उस समय बस या गाड़ी इतनी नहीं थी। हम तो खड़खड़े से आते। तब पहली बार साइकिल चलाना सीखा। वो दौर बिलकुल अलग था। मस्ती की। घूमे फिरे भी लेकिन क्लास नहीं छोड़ी।

बीएससी में जूलॉजी, बॉटनी और केमेस्ट्री में दाखिला लिया। उस समय सीनियर शिक्षक बीएससी की क्लास लेते थे। वे हिंदी और अंग्रेजी मिलाकर पढ़ाते थे। लेकिन, एमएससी में पहुंचा तो सिर पकड़ लिया। क्लासरूम में आगे अंग्रेजी मीडियम वाले स्टूडेंट्स बैठते थे। हम लोग पीछे बैठते। दिल में डर लगता था कि कहीं टीचर कुछ पूछ न लें। मेरे जैसे ही कुछ स्टूडेंट्स और मिले। तो एक ग्रुप बन गया। हम लोग एक दूसरे की मदद करते। अच्छी बात यह है कि आज भी ये ग्रुप है। उस समय भले ही अंग्रेजी से डर लगता हो लेकिन आज उस ग्रुप के ज्यादातर लोग यूएस और दूसरे देशों में हैं। 1982-83 में एमएससी करने के बाद पीएचडी करने के बारे में सोचा। 1984 में पीएचडी में प्रवेश मिल गया। परिवार वालों पर पढ़ाई का बोझ न पड़े, इसलिए ट्यूशन पढ़ाना शुरू कर दिया।

प्रो. एएम सक्सेना, एलयू

एलयू:फार्म भरने का एक और मौका

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में परीक्षा फार्म भरने के लिए एक और मौका दिया जाएगा। उसको लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से मंथन शुरू कर दिया गया है। यह मौका सेमेस्टर स्नातक में प्रथम, तृतीय व पांचवें सेमेस्टर और परास्नातक में तृतीय सेमेस्टर के छात्रों को मिलेगा।

बता दें, परीक्षा फार्म भरने की अन्तिम तिथि 21 दिसम्बर निर्धारित की गई थी। 24 दिसम्बर तक महाविद्यालयों के स्तर पर सारी सूचनाएं, शुल्क और फार्म विश्वविद्यालय में जमा किए जाने हैं। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएम सक्सेना ने बताया कि उसके बाद स्थिति की समीक्षा की जाएगी।

उधर, कॉलेज प्रशासन की ओर से लगातार तिथि बढ़ाने की मांग की जा रही है। प्रशासन का कहना है कि अभी भी प्रवेश की प्रक्रिया चल रही है। वहीं, यूपी बोर्ड तक ने छात्रों को अतिरिक्त मौका दिया है। बीएसएनवी के प्रिंसिपल डॉ. राकेश चन्द्र ने बताया कि छात्रों के हित में अंतिम तिथि बढ़ाना आवश्यक है।

चार जिलों के 350 कॉलेज एलयू से जुड़े

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यलाय में जुड़े 4 जिलों के करीब 350 से ज्यादा कॉलेजों में आगामी सत्र 2021- 22 में पहला बैच दाखिला लेगा। इन कॉलेजों के पुराने छात्र कानपुर विवि के पाठ्यक्रम के अनुसार पढ़ाई करेंगे।

एलयू का दायरा बढ़ा दिया गया है है। ऐसे में पहले कानपुर विवि से संबद्ध लगभग 350 से अधिक कॉलेजों व महाविद्यालयों को अब एलयू से संबद्ध होना है। इसकी प्रक्रिया शुरू हो गई है। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया के 31 दिसंबर तक कॉलेजों को संबद्धता के लिए आवेदन करना है।